देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 146 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, बृहस्पतिवार, 9 सितंबर 2021

विचार-प्रवाह...क्यों जरुरी भू–कानून उत्तराखंड में

मौसम अधिकतम 28.0° न्यूनतम 24.0°

40243.39

2 डिग्री की कोई अहमियत नहीं है

7 रैंकिंग में नौंवे स्थान पर पहुंच गए बुमराह

राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने दिया इस्तीफा

बेबी रानी मौर्य को यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी में मिल सकती है जिम्मेदारी

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वह तीन साल 12 दिन इस पद पर कार्यरत रहीं। तीन दिन पहले नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से उनकी मुलाकात के बाद से यह अंदेशा जताया जा रहा था। इस इस्तीफे के साथ ही राज्य का आठवें राज्यपाल को लेकर इंतजार बढ़ गया है।

बेबी रानी मौर्य ने 26 अगस्त, 2018 में उत्तराखंड के सातवें राज्यपाल के तौर पर पदभार संभाला था। वह राज्य की दूसरी महिला गवर्नर थीं। उनसे पहले मार्ग्रेट अल्वा भी यह पद संभाल चुकी हैं। उत्तरप्रदेश में आगरा की मेयर रह चुकीं बेबी रानी मौर्य के बारे में माना जा रहा है कि केंद्र सरकार और भाजपा उन्हें अलहदा जिम्मेदारी से नवाज सकते हैं।

राज्य सरकार के साथ बना रहा की शिकायतें केंद्र सरकार और पार्टी हाईकमान तक भी पहुंचीं। विधानसभा से पारित विधेयकों के राजभवन में लंबे समय तक रुके रहने से भाजपा सरकार को कई मौकों पर असहज होना पड़ा। पारित कुछ विधेयकों को लंबे समय बाद भी राजभवन की मंजूरी नहीं मिल पाई है। इसके लिए सरकार की ओर से प्रयासों को कामयाबी नहीं मिल पाई।

आगरा की मेयर रह चुकी हैं बेबी रानी मौर्य

बेबी रानी मौर्य उत्तराखंड के राज्यपाल की कमान संभालने वाली दूसरी महिला हैं। इससे पहले मारग्रेट अल्वा उत्तराखंड की पहली महिला राज्यपाल रह चुकी हैं। बेनी रानी मौर्य का यूपी से गहरा नाता रहा है। वह 1995 से 2000 तक आगरा की पहली महिला मेयर रह चुकी हैं। इसके अलावा वह 2002 में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रहीं।

खिंचाव: इन सबके बीच राज्यपाल के पद से उनकी विदाई के पीछे राज्य की भाजपा सरकार और राजभवन के बीच खिंचाव को भी अहम वजह माना जा रहा है। दोनों के बीच समन्वय की कमी

नई भूमिका में उतारने की चर्चा

उत्तरप्रदेश में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। कयास ये भी हैं कि उत्तरप्रदेश की सियासत में वह सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। भाजपा चुनाव के मद्देनजर उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप सकती है। केंद्र सरकार के स्तर से भी उन्हें राज्यपाल से इतर संवैधानिक पद सौंपा जा सकता है। गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद इसतरह की चर्चाओं को बल मिला है।

बेबी रानी मौर्य का संक्षिप्त जीवन परिचयः ■**जन्म तिथि** : 15 अगस्त 1956।

■**शैक्षणिक योग्यता**: एमए, बीएड।

■**पति का नामः** प्रदीप कुमार पता–4/ए, करियप्पा रोड आगरा।

■1995 से 2000 तक आगरा की महापौर।

■वर्ष 1997 में वर्तमान राष्ट्रपति और तत्कालीन भाजपा राष्ट्रीय ■अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष रामनाथ कोविंद के साथ कोषाध्यक्ष रहीं।

■वर्ष 2002 में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य।

■18 वर्षों से नव चेतना जागृति संस्था के माध्यम से दलित व पिछड़ी महिलाओं को जागरूकता करने व न्याय दिलाने का कार्य।

■वर्ष 1996 में समाज रत्न, 1997 में उत्तरप्रदेश रत्न और 1998 में नारी रत्न से सम्मानित।

■27 अगस्त 2018 को उत्तराखंड के राज्यपाल पद की शपथ ली।

■आठ सितंबर 2021 को पद से इस्तीफा दिया।

उत्तराखंड में किसे कितनी सीट

सर्वे के मुताबिक, उत्तराखंड में बीजेपी सबसे ज्यादा सीटों के साथ एक बार फिर सरकार बना सकती है। प्रदेश में बीजेपी को 44 से 48 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को 19 से 23 सीटें मिलने की बात कही गई है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी को 0 से 4 सीटें और अन्य को 0 से 2 सीटें मिलने का अनुमान है।

कौन पसंदीदा मुख्यमंत्री

एबीपी सी वोटर सर्वे के मुताबिक, कांग्रेस नेता हरीश रावत को उत्तराखंड की जनता बतौर मुख्यमंत्री देखना चाहती है। हरीश रावत को सबसे ज्यादा 30.6 प्रतिशत लोगों ने पंसद किया है। वहीं राज्य के नए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को 22 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के कर्नल अजय कोठियाल को 9.6 प्रतिशत लोग बतौर मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

असम में यात्रियों से भरी दो नावों में टक्कर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जोरहट। असम में ब्रह्मपुत्र नदी पर भीषण नाव दुर्घटना हुई है। यहां यात्रियों से भरी दो नावों में टक्कर हो गई। हादसे के बाद कई लोगों को लापता होने की खबर है। घटना जोरहट जिले के नीमतीघाट की बताई गई है। बताया जा रहा है कि दोनों नावों में करीब 100 यात्री सवार थे। नाव में सवार लापता लोगों की तलाश की जा रही हैं। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। राज्य के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने नाव दुर्घटना पर दुख जताया।

अफगानिस्तान को लेकर भारत और रूस ने जताई चिंता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अफगानिस्धान में तालिबान सरकार से किसी भी संभावित सुरक्षा खतरे को कम करने के लिए एनएसए अजित डोभाल ने सीआईए प्रमुख विलियम बर्न्स के साथ विचार–विमर्श करने के एक दिन बाद बुधवार को अपने रूसी समकक्ष जनरल निकोले पेत्रुशेव के साथ बातचीत की।

किसानों को केंद्र सरकार का तोहफा

रबी की फसल की एमएसपी में की गई बढ़ोतरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले करीब 10 महीने से जारी किसानों के आंदोलन के बीच केंद्र सरकार की ओर से अहम फैसला लिया गया। मोदी सरकार ने बुधवार को 2022–23 के लिए रबी की फसल की एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) में बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। सरकार रोज नई–नई घोषणाओं से उन्हें यह भरोसा दिला रही है कि किसानों के हितों के साथ समझौता नहीं होगा। एमएसपी बढ़ाने को लेकर पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह ने जानकारी दी।

पीएम ने कहा कि किसान भाइयों और बहनों के हित में सरकार ने आज एक और बड़ा निर्णय लेते हुए सभी रबी फसलों की MSP में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं के लिए अधिकतम लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होंगे, वहीं कई प्रकार की फसलों की बुआई के लिए भी उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में आज गेहूं समेत रबी की कई फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 40 रुपये से लेकर 400 रुपये तक की वृद्धि की गई है। यह निर्णय प्रमाण है कि एमएसपी की व्यवस्था पर कोई आंच नहीं आने वाली बल्कि उसमें वृद्धि भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कृषि और किसान के कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री मोदीजी की प्रतिबद्धता पूरी तरह स्पष्ट है। रबी की फसलों का एमएसपी बढ़ाने का आज का निर्णय, किसानों की आमदनी में वृद्धि करेगा। इस कल्याणकारी निर्णय के लिए मैं प्रधानमंत्रीजी को बधाई और हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

किसानों को मिलता रहेगा फसलों का अधिकतम लाभकारी मूल्यः पीएम

पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि किसान भाइयों और बहनों के हित में सरकार ने आज एक और बड़ा निर्णय लेते हुए सभी रबी फसलों की एमएसपी में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं के लिए अधिकतम लाभकारी मूल्य सुनिश्चित होंगे, वहीं कई प्रकार की फसलों की बुआई के लिए भी उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रहलाद पटेल को बनाया गया उत्तराखंड का चुनाव प्रभारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बुधवार को चुनाव प्रभारियों की नियुक्ति कर दी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उत्तर प्रदेश, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को पंजाब, वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को मणिपुर, संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद पटेल को उत्तराखंड और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को गोवा का प्रभारी बनाया गया है।

सबसे अहम राज्य यूपी में 6 संगठन प्रभारीः उत्तर प्रदेश में धर्मेंद्र प्रधान के साथ केंद्रीय मंत्रियों अनुराग सिंह ठाकुर, अर्जुन राम मेघवाल, शोभा करंदलाजे, अन्नपूर्णा देवी के अलावा पार्टी महासचिव सरोज पांडे, हरियाणा के पूर्व मंत्री कैप्टन अभिमन्यु और राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर को सह प्रभारी बनाया गया है। पार्टी ने चुनावी रूप से सबसे अहम इस राज्य में क्षेत्रवार छह संगठन प्रभारियों की भी नियुक्ति की है।

पंजाब में इनको मिली जिम्मेदारी

पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने गजेंद्र सिंह शेखावत को राज्य का प्रभारी बनाया है। पंजाब में शेखावत के सहयोग के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मीनाक्षी लेखी और लोकसभा के सांसद विनोद चावड़ा को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

फडणवीस को गोवा का प्रभारी नियुक्त किया गयाः केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को उत्तराखंड का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। इस पहाड़ी राज्य में सह प्रभारी के रूप में पश्चिम बंगाल की सांसद लॉकेट चटर्जी और राष्ट्रीय प्रवक्ता आर पी सिंह को नियुक्त किया गया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को मणिपुर का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया गया है जबकि केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक और असम सरकार के मंत्री अशोक सिंघल को यहां का सह प्रभारी बनाया गया है।

प्लान

■यूपी समेत 5 राज्यों के लिए बीजेपी का खास प्लान

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

किसी भी देश ने नहीं किया गर्मजोशी से स्वागत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार बनने के बाद दुनियाभर से तमाम मुल्ख्कों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। गौर करने वाली बात है कि तालिबान की ओर से अंतरिम सरकार की घोषणा के बाद दुनिया के किसी भी देश ने उसका गर्मजोशी से स्वागत नहीं किया है। चीन ने भी सरकार में शामिल

अमेरिका, जापान, जर्मनी तालिबान-2 के चेहरों से खुश नहीं

चेहरों को देखते हुए सधी हुई प्रतिक्रिया दी है कि वे तालिबान से संवाद कायम रखेंगे। यह जरूर कहा कि सरकार बनने के बाद हिंसाग्रस्त देश में अराजकता खत्म हुई है। चीनी विदेश मंत्रालय की पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता वांग वेनबिन से जब पूछा गया कि क्या चीन अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार को मान्यता देगा, जिसमें शामिल गृहमंत्री भी अमेरिका की आतंकी सूची में शामिल हैं।

समाचार एजेंसी रायटर की रिपोर्ट के मुताबिक प्रवक्ता ने कहा कि हम उनसे संवाद कायम रखेंगे। चीन अफगानिस्तान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय एकता का सम्मान करता है। तालिबान के सत्ता में आने के बाद चीन ने उनसे एक खुली और समावेशी सरकार बनाने को कहा है।